

नव भारत जागृति केन्द्र सूचनापत्र



NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

Putting the Last First.....

Newsletter

October - December, 2016

www.nbjk.org

अक्टूबर - दिसम्बर, 2016

हजारीबाग में आवासीय रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रति व्यक्ति आय के मामले में झारखण्ड अंतिम दो-तीन राज्यों में आता है और गरीबी में यह दूसरे पायदान पर है। यहाँ के कृषि मजदूर परिवारों में निर्धनता की दर सर्वाधिक (54.8%) है। शहरी क्षेत्र में अनियमित मजदूरों और स्वरोजगारी परिवारों के बीच गरीबी का अनुपात राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। इसके साथ ही राज्य के अनेक जिले नक्सलवाद से बुरी तरह प्रभावित हैं। प्राकृतिक संसाधनों से धनी झारखण्ड में आर्थिक ठहराव है। गाँवों में आजीविका की कमी ने ग्रामीण युवाओं को अकुशल मजदूरों के रूप में पलायन करने पर मजबूर कर दिया है। लड़कियाँ भी महानगरों में घरेलू कामगार बनकर जाती हैं और अनेक मामलों में मानव व्यापार का शिकार बन लापता हो गयी हैं।

अक्टूबर '16 से न.भा.जा. केन्द्र ने हजारीबाग स्थित अपने संयोजन कार्यालय परिसर में आवासीय रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम उन ग्रामीण युवाओं के लिए उपयुक्त है, जिन्हें व्यावसायिक/सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण की आवश्यकता तो है लेकिन जो परिवहन सुविधा के अभाव अथवा संसाधनों की कमी के कारण रोजाना टैक्सी/ऑटो/बस/भोजन/नाश्ता में खर्च कर ऐसा प्रशिक्षण लेने शहर नहीं आ सकते। इस आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने की न्यूनतम अहर्ता 10वीं पास है और प्रशिक्षुओं को अलग-अलग क्षेत्रों की तकनीकी जानकारी से अवगत कराकर उन्हें रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य अभिविचलित परिवारों की सामाजिक-आर्थिक दशा में सुधार लाना और युवाओं के मजबूरन पलायन के साथ मानव व्यापार पर रोक लगाना है।

रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम में 15-25 वर्ष आयुवर्ग के महिला और पुरुष अभ्यर्थियों का नामांकन लिया जाता है। अधिकांश नामांकित प्रशिक्षु कमजोर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के और गरीब परिवारों से सम्बन्धित होते हैं। यहाँ एक समय में एक बैच के 60 प्रशिक्षुओं को 2 माह तक पूर्ण आवासीय प्रशिक्षण देने की व्यवस्था है। इस प्रकार 18 महीने के इस कार्यक्रम में 540 प्रशिक्षणार्थियों को 9 बैच को प्रशिक्षित करने की योजना है। संस्था द्वारा प्रशिक्षुओं के नामांकन में 3% जगह दिव्यांगों हेतु सुरक्षित रखा जाता है। यहाँ बेसिक कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए), इलेक्ट्रॉनिक्स व हार्डवेयर (मोबाइल - सीएफएल बल्ब मरम्मत/ सर्विसिंग) और अस्पताल में मरीजों की देखरेख हेतु बेड साइड पेशेंट अटेंडेंट (बीएसपीए) के संक्षिप्त पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाता है। ये प्रशिक्षणार्थी झारखण्ड के हजारीबाग, गिरिडीह, चतरा, बोकारो, दुमका, रांची तथा अन्य जिलों के सुदूर गाँवों से आते हैं। प्रति प्रशिक्षु प्रति माह 500 रु. की रियायती दर पर इनके लिए प्रशिक्षण के साथ भोजन, आवास और सुरक्षा की व्यवस्था है, ताकि भीड़ न हो और रोजगार के जरूरतमन्द उम्मीदवारों को लाभ मिले। न.भा.जा. केन्द्र ने इन प्रशिक्षुओं के लिए सॉफ्ट-स्किल पैकेज, छोटे वीडियो क्लिप्स और स्मार्ट क्लास टूल्स विकसित किये हैं, साथ ही प्रशिक्षण समाप्ति के बाद नौकरी/स्वरोजगार में सहयोग, छह माह का फॉलो-अप और कार्यस्थल की कठिनाइयों में मदद भी इस कार्यक्रम की विशेषताएँ हैं।

गत 30 नवम्बर को न.भा.जा. केन्द्र में इस कार्यक्रम अंतर्गत बीसीए, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर और बीएसपीए पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण समाप्त कर चुके पहले बैच के 49 प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाणपत्र वितरित हुए थे। इनमें 19 बीसीए, 5 इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर और 25 बीएसपीए के पासआउट थे। इस अवसर पर श्री कीर्ति रावत (नियोजन पदाधिकारी) ने 45 प्रशिक्षुओं के कार्यस्थल पर प्रशिक्षण, नियोजन अथवा संभावित स्वरोजगार की जानकारी दिया।

न.भा.जा. केन्द्र पिछले 9 वर्षों से ऐसे रोजगारपरक कार्यक्रमों का संचालन करता आ रहा है और 150 से अधिक व्यावसायिक समूहों अथवा नियोजकों के साथ इसका संपर्क बना है, उन्हें प्रशिक्षित कार्यबल की जरूरत है और वो इन प्रशिक्षुओं को प्रारंभिक स्तर पर नियोजित करते हैं। अनेक नियोजक प्रशिक्षुओं की योग्यता सम्बन्धी फीडबैक के साथ उन्हें अपने कार्यस्थल पर प्रशिक्षण लेने का मौका देते हैं। इससे स्वरोजगार को भी बल मिलता है।

Residential Rozgar Training Program at Hazaribag

Jharkhand stands second third lowest in per capita terms and second highest in poverty. Agricultural labour households exhibit the highest poverty ratio (54.8 per cent) here. In urban areas casual laborer and self employed household's poverty is significantly higher than all India. At the same time, most districts in the state are severely eclipsed by naxalism. Such problems have barred appropriate industrial progress in this resourceful state. Lack of income opportunity in villages forces rural youths to migrate as unskilled laborers. Also girls go as maids in metros and many get trafficked or even untraced.

From October '16, NBJK has launched a Residential Rozgar (Employment) Training Program inside the campus of its Coordination office at Hazaribag. The program covers village youths in need of vocational & soft-skill training but unable to join any Day-Scholar program in lack of transport facility and resources to meet daily taxi/bus/food expenses. This residential employability training program for 10th passed, inter or even more educated youths provides them technical knowhow in different domains and facilitates them to compete in the job market. The program aims to enhance socio economic status of deprived families, checks forced migration of youths and trafficking of young girls.

This training program comprises both male and female between age group of 15 to 25 years. Most of the enrolled here belong to poor family background and lower social strata. 60 trainees can get full time residential training in each batch of two months duration. Hereafter 540 young men-women as 9 batches will be trained in 18 months term of the program. Besides, NBJK encourages enrollment of 3% youths with disability among trainees. All they get trades like Basic Computer Application (BCA), Mobile-CFL Repairing & Servicing and Patient Caring as Bed Side Patient Attendant (BSPA). They come from far-flung villages of Hazaribag, Giridih, Chatra, Bokaro, Dumka, Ranchi and other districts of

Jharkhand. A token fee of Rs.500 per month is being charged with each enrollment to meet expenses for 4 time meal, full furnished accommodation and security measure partially as well as to avoid undesired trainees not in immediate need of job/employment. NBJK has developed soft-skills packages, short videos and smart class tools to support the trainees. Also it will track them for 6 months after placement or self-employment and provides work-place solutions.

On 30 November, NBJK has organized certificate distribution ceremony for 49 trainees of first batch who have completed 2 months skill development training courses of BCA, BSPA and Electronics & Hardware (mobile/CFL bulb/charger) Repair. There were 19 trainees in BCA, 05 for Mobile Repair and 25 under BSPA trades respectively. Mr. Kirti Rawat (Placement Officer) has informed about OJT (On Job Training), placement or self-employment for 45 trained youths.

NBJK is associated with employability sector for last 9 years and established linkage with more than 150 industries and employers. They need trained work force and support the program with entry level placement of trainees. Also they provide feedback about required competencies and help trainees through on-job training at their enterprises. Also this promotes self employment among youths.



विश्व दृष्टि दिवस पर नेत्र जांच शिविर

15 अक्टूबर, बरही: लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल, चौपारण द्वारा विश्व दृष्टि दिवस पर नजदीकी कस्बा बरही में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में 415 मरीजों के आँखों की जांच हुई, जिनमें मोतियाबिन्द के 115 रोगियों के अलावा रिफ्रैक्शन तथा अन्य समस्याओं से पीड़ित लोग थे। इस अवसर पर आयोजित संवादाता सम्मेलन में श्री सतीश गिरिजा (मंत्री, न.भा. जा.के.), डॉ. जीतेन्द्र कुमार (साइटसेवर्स) और श्री गन्धर्व गौरव (कार्य. नि., एलएनजेपीएच) शामिल थे। श्री सतीश गिरिजा ने बताया कि वर्ष 2015-16 में अस्पताल द्वारा 36234 मरीजों का इलाज किया गया था, जिनमें 7396 मोतियाबिन्द ऑपरेशन थे और 60% से अधिक मामलों में इलाज प्रायोजित अथवा सहायताप्राप्त था। डॉ. जीतेन्द्र कुमार ने अस्पताल को सहयोग के प्रति वचनबद्धता जाहिर करते हुए मार्च 2017 तक निर्धनों हेतु निःशुल्क 1000 मोतियाबिन्द ऑपरेशन और 500 चश्मा वितरण कार्यक्रम की घोषणा किया। श्री गन्धर्व गौरव ने साइटसेवर्स, वर्ल्ड डायबिटीज फाउंडेशन, आदित्य बिड़ला फाइनेंसियल सर्विसेज सहित अन्य सभी सहयोगी संस्थाओं और व्यक्तियों प्रति आभार प्रकट किया। इन्होंने लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल में डायबिटिक रेटिनोपैथी और ग्लूकोमा के इलाज सम्बन्धी बेहतर सुविधाओं की जानकारी भी दिया। नेत्र शिविर में सेवा देने गयी अस्पताल टीम में डॉ. आलोक, सर्वश्री करुणानिधि, विनोद स्वर्णकार, सुरेन्द्र पांडेय, विक्रान्त सिंह, दिनेश कुमार, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, श्रीमती पूनम देवी और सुश्री यशोदा कुमारी आदि शामिल थे।



Eye Checkup Camp on World Sight Day

15 October, Barhi (Hazariabag): LNJP Eye Hospital, Chouparan has observed World Sight Day by organizing a free eye checkup camp at Barhi. There were 415 patients including cataract (115), refraction and with other eye problems got all necessary checkup/tests and services here. World Sight Day was enriched with a press conference by Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK), Dr. Jitendra Kumar (State Program Officer, Sightsavers) and Mr. Gandharv Gaurav (Program Director, LNJEPEH). Mr. Satish Girija has mentioned about 36234 OPDs and 7396 cataract surgeries by the hospital during 2015-16, out of which 60% cases were treated under sponsored or subsidized category. Dr. Jitendra Kumar (Sightsavers) has expressed commitment to partner with the hospital and announced about a short term project to ensure 1000 cataract operations & 500 power glasses free of cost for poor people up to March 2017. Mr. Gandharv Gaurav (LNJEPEH) has thanked Sightsavers, World Diabetes Foundation, Aditya Birla Financial Services and all others for the support. He informed about treatment facilities for Diabetic Retinopathy and Glaucoma. LNJEPEH team of Dr. Alok, Mr. Karunanidhi, Mrs. Annapurna Devi, Mrs. Punam Devi, Ms. Yashoda Kumari, Mr. Vinod Swarnkar, Mr. Surendra Pandey, Mr. Vikrant Singh and Mr. Dinesh Kumar has contributed to the camp.

बधिरान्ध बच्चे पिकनिक पर

25 अक्टूबर, हजारीबाग : बधिरान्धता तथा बहुसंवेदी बाधाओं से पीड़ित बच्चों की सेवा हेतु संस ईडिया, अहमदाबाद के सहयोग से संचालित कार्यक्रम अंतर्गत ऐसे बच्चों के लिए पिकनिक का आयोजन किया गया था। स्थानीय स्वर्णजयन्ती पार्क में हुए इस आयोजन में 40 बच्चे और उनके अभिभावक शामिल थे। मो. नईम (स. कार्य. प्रबन्धक) ने उनका नेतृत्व किया और बताया कि अक्सर घर की चारदीवारियों के अन्दर रहने वाले इन बच्चों के लिए ऐसी गतिविधियाँ अहम होती हैं। पार्क में बच्चों के साथ उनके अभिभावकों ने भी चित्रकारी, खेलकूद, झूला झूलने का आनंद उठाया। आपसी बातचीत, भावनाओं का आदान-प्रदान और बेहतर समय बिताने के बाद स्वादिष्ट सहभोज के साथ यह पिकनिक यादगार रही। न.भा.जा. केन्द्र की ओर से इन बच्चों के लिए गृह/केन्द्र आधारित सेवा के तहत दैनिक जीवन गतिविधि, फिजियोथेरेपी, पढ़ने-लिखने का कौशल, ब्रेल लिपि, संकेत भाषा, संचार, बोधगम्यता, समाजीकरण आदि से सम्बन्धित प्रशिक्षण देते हैं और अभिभावकों को इनकी देखरेख में सहयोग किया जाता है। पिकनिक आयोजन टीम में श्री पारसनाथ महतो (विशेष शिक्षक), डॉ. मुकेश कुमार (फिजियोथेरेपिस्ट), सुश्री रेशमी परवीन, श्रीमती तनूजा खातून और श्रीमती इन्दु गुप्ता (क्षेत्रीय कार्यकर्तागण) शामिल थे।



Deafblind Children Enjoy Outing

25 October, Hazariabag: A joyful outing was organized for deafblind children under the program of Services for them with support of Sense India, Ahmedabad. There were 40 children and their parents/carers in the event took place at Swarn Jayanti Park Cafeteria campus. Md. Nayeem (Asst. Program Manager) has led them for this picnic and said that such children need outing to share their feelings, mostly blocked within four walls of their houses. At the park, all children and their parents have participated in interesting activities like drawing, games, swings and others. All they talked to each other, spent quality time and had a tasteful lunch together. NBJK provides them home/center based services for activities of daily living, physiotherapy, reading/writing skills, braille script, sign language, communication, cognition, socialization etc. and cooperates with their parents to take care. Mr. Paras Nath Mahto (Special Teacher), Mr. Mukesh Kumar Suman (Physiotherapist), Mrs. Rashmi Parveen, Mrs. Tanuja Khatoon and Mrs. Indu Gupta (Field Staffs) have comprised the organizing team for this event.

चाइल्डलाइन 1098 ने बचाया बच्ची को

09 नवम्बर, चौपारण : सुबह में न.भा.जा. केन्द्र द्वारा संचालित चाइल्डलाइन उपकेन्द्र, चौपारण को सूचना मिली कि चौपारण-चतरा मार्ग पर बेढ़नाबारा गाँव की गली में एक लावारिस बच्ची भटक रही है। एक जागरूक ग्रामीण श्री महेश कुमार गुप्ता ने टोल फ्री नंबर 1098 पर कॉल किया था और वो तब तक उस बच्ची की निगहबानी में रहे जब तक कि उसकी सुरक्षा हेतु चाइल्डलाइन टीम वहां पहुँच नहीं गयी। उस बच्ची की मेडिकल जाँच हुई और उसे सुरक्षित पाया गया। फिर चाइल्डलाइन टीम द्वारा चौपारण थाना से संपर्क किया गया क्योंकि वह अपने बारे में विशेष कुछ बता पाने में असमर्थ थी। इसी बीच न.भा.जा. केन्द्र के कार्यकर्ताओं और संपर्क व्यक्तियों के माध्यम से यह खबर क्षेत्र में फैल गयी और एक नजदीकी गाँव चक्रसार में उस बच्ची के परिजनों का पता चला। नन्दिनी कुमारी नाम की यह बालिका छठ पूजा के अवसर पर अपनी माँ बबीता देवी के साथ ननिहाल आयी थी और चक्रसार गाँव निवासी श्री प्रकाश प्रजापति-श्रीमती दासिया देवी इसके नाना-नानी हैं। 4 बजे शाम में बच्ची के अभिभावक, परिजन, पंचायत के मुखिया आदि अपना परिचयपत्र लेकर थाना आए और नन्दिनी को उन्हें सुपुर्द कर दिया गया। 14-20 नवम्बर के दौरान न.भा.जा. केन्द्र की ओर से चौपारण और बरही के अनेक सार्वजनिक स्थलों पर, सरकारी कार्यालयों में चाइल्डलाइन से दोस्ती अभियान चलाया गया। इसमें चाइल्डलाइन टीम द्वारा लोगों को बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने के साथ टोल फ्री नम्बर 1098 के उपयोग से परिचित कराया गया।



Child Rescued by Childline1098

09 November, Chouparan: In that fine morning, Childline 1098 was informed about an unknown girl child wandering in the street of village Beddhna-Bara near Chouparan-Chatra Road. Mr. Mahesh Kumar Gupta, a vigilant villager has called to 1098, the toll free number of Childline and waited till arrival of Childline team members to keep the child protected. The child was taken for medical test and declared safe by the doctors. The Childline team has reached to Chouparan Police Station to inform about the baby as she couldn't be able to say anything clear. In the meantime, the news was flashed by NBJK volunteers and link persons in adjacent villages. Finally, the family members of that child could be traced in village Chakrasaar. The child was recognized as Nandini Kumari, who came with her mother Babita Devi at maternal grandma place during Chhath festival. Mr. Prakash Prajapati & Mrs. Dasiya Devi are her maternal grandparents. At 4 pm, all they reached at Chouparan Police Station with local PRl members and proper Identity Proof to receive Nandini. She was handed over to her guardians carefully under auspices of Childline 1098 run by NBJK in this area. During 14-20 November, a campaign namely Childline Se Dosti (Friendship with Childline) was launched at different public places of Chouparan and Barhi. Childline team members have sensitized people over Child Rights and relevance of Childline1098.

परिवार परामर्शी केन्द्र की उपसमिति बैठक

10 नवम्बर, हजारीबाग: न.भा.जा. केन्द्र द्वारा झारखण्ड राज्य/केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सहयोग से संचालित परिवार परामर्शी केन्द्र की उपसमिति बैठक स्थानीय महिला थाना में आयोजित हुई थी। इसमें महिला थाना प्रभारी श्रीमती एमेलटीना एक्का, श्रीमती शर्मिला हांसदा (स. उप-निरीक्षक), श्री तुलसी दूवे, श्री अरविन्द झा, श्रीमती उषा देवी, श्रीमती शारदा देवी, श्रीमती

जुबली (सदस्यगण) और श्री संजय कुमार (परामर्शदाता) शामिल थे। श्रीमती मीरा गुप्ता (वरीय परामर्शदात्री) ने उपसमिति सदस्यों को अगस्त-अक्टूबर 16 के दौरान प. प. केन्द्र में दर्ज मामलों की संख्या, प्रकृति और सम्बन्धित कार्रवाई की जानकारी दिया। इस तिमाही में पारिवारिक विवादों के कुल 30 मामले पंजीकृत हुए, जिनमें दम्पतियों के बीच वैवाहिक समस्या (11), सास-ननद हस्तक्षेप (05), पति का मद्य सेवन (05), संपत्ति विवाद (01), विवाहेतर सम्बन्ध (05), तिलक-दहेज (01), और घरेलू हिंसा (02) से जुड़े मामले थे। इन्होंने इन मामलों के समाधान सम्बन्धी गतिविधियों और उपायों पर एक संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और बताया कि प. प. केन्द्र द्वारा इनमें से 13 मामलों का समाधान दोनों पक्षों की सहमति से हो चुका है।

अधिकांश उपसमिति सदस्यों ने आपसी समझदारी पर टिके नाजुक भावनात्मक रिश्तों की सुरक्षा पर बल दिया ताकि परिवार और समाज सुरक्षित रह सकें। बैठक की अध्यक्षता कर रही श्रीमती एमेलटीना एक्का ने महिला-बच्चा सम्बन्धी समस्या समाधान में प. प. केन्द्र की भूमिका को सराहा और कहा कि सामाजिक सरोकार के साथ समय पर हस्तक्षेप करना इसकी विशेषता है। श्रीमती मीरा गुप्ता द्वारा उपसमिति सदस्यों और राज्य/केन्द्रीय बोर्ड के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हो गयी।



Family Counseling Center Sub-Committee Meeting

10 November, Hazaribag: NBJK run Family Counseling Center has called its Sub-Committee members in the meeting held at Women's Police Station, Hazaribag. This was chaired by Mrs. Ameltina Ekka (Officer In-Charge) and attended by Mrs. Sharmila Hansda (ASI) Mr. Tulsi Dubey, Mr. Arvind Jha, Mrs. Usha Devi, Mrs.

Sharda Devi, Mrs. Jubli (All Members) and Mr. Sanjay Kumar (Counselor). Mrs. Meera Gupta (Senior Counselor) has informed the members about number and nature of cases, FCC dealt during the period of August-October 2016. There were 30 cases registered in the quarter as for Marital Disputes between Couples (11), Interference by In-Laws (05), Alcoholism (05), Property (01), Extra-marital (05), Dowry (01) and Domestic Violence (02). She has presented a brief report upon the activities and actions taken regarding amicable way out for such cases and said that 13 cases have been solved with initiatives taken by the FCC. Most of the Sub-committee members have suggested for promoting mutual understanding to safeguard delicate relationship and to strengthen family bond towards an inclusive society. Mrs. Ameltina Ekka (OIC) has appreciated FCC for its timely intervention as well as social outlook to address domestic problems around women and children. Mrs. Meera Gupta (Counselor) has thanked Sub-committee members and Central/Jharkhand State Social Welfare Boards for support.

केयरर्स वर्ल्डवाइड की कार्यशाला में

24-26 नवम्बर, पुरी (ओड़िशा) : केयरर्स वर्ल्डवाइड, यूके के सहयोग से न.भा.जा. केन्द्र द्वारा संचालित देखभालकर्ता प्रोत्साहन कार्यक्रम की टीम ने केयरर्स की भारतीय सहयोगी संस्थाओं के लिए आयोजित रणनीतिक पुनरावलोकन और योजना सम्बन्धी कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला सहयोगी संस्थाओं के लिए बतौर एक संस्था और नेटवर्क सदस्य के रूप में कार्यक्रम की समीक्षा, प्रभावों के मूल्यांकन, खामी-खूबी विश्लेषण और भावी योजना से सम्बंधित थी। डॉ. अनिल पाटिल (कार्य. निदेशक, केयरर्स वर्ल्डवाइड) ने देखभालकर्ता सम्बन्धी कार्यक्रम की योजनाओं, पेशेवर विकास और सामूहिक कार्यप्रवृत्ति की रूपरेखा प्रस्तुत किया। श्री डेरक हूपर (संसाधन व्यक्ति) ने कार्यक्रम सम्बन्धी मूल्यों जैसे अधिकारिता, समावेशन, समर्थन, स्थायित्व, ईमानदारी, पारदर्शिता, निर्भीकता, सकारात्मकता और समानता आदि पर जोर दिया। श्री राजीव सिंह (कार्यक्रम प्रबन्धक, नभाजाके) ने देखभालकर्ताओं के बारे में जानकारी दिया, जिनमें 68 के लिए आजीविका उपलब्धता की प्रक्रिया जारी है, जबकि कई अन्य दर्जीगिरी, गाय/बकरी/सूकर पालन, नाश्ता बनाने-बेचने जैसे छोटे-मोटे रोजगार से जुड़े हैं। इन्होंने बताया कि न.भा.जा. केन्द्र द्वारा हजारीबाग जिला के कटकमसांडी और चौपारण प्रखंडों में भी देखभालकर्ताओं के बीच काम किया जाएगा और हम झारखण्ड-बिहार के कोडरमा, गिरिडीह, नवादा, गया जिलों में 4000 देखभालकर्ताओं से जुड़ने का लक्ष्य रखते हैं। न.भा.जा. केन्द्र टीम में मो. नईम (सहा. कार्य. प्रबन्धक), श्रीमती विमला राणा, श्रीमती प्रतिमा देवी, श्री कमलकान्त पांडेय, सुजीत मिश्र (क्षेत्रीय कार्यकर्तागण) शामिल थे।



In Workshop by Carers Worldwide

24-26 November 2016, Puri (Orissa): NBJK program team on Carers' Promotion has participated in strategic review & planning workshop of Indian partners with Carers Worldwide, UK. This was about to review the work, reflecting on the impact, analyzing of strengths & weaknesses and future plan of actions as individual organizations and as a network. Dr. Anil Patil (ED, Carers Worldwide) has facilitated the workshop towards strategic planning and professional development as well as collaborative working. Mr. Derek Hooper (resource person) has focused upon values to make the program as rights based, inclusive, supportive, sustainable, honest, open, brave, positive and equal. Mr. Rajeev Singh (Program Manager) has informed about 68 carers processed for livelihood linkage and others already engaged with petty business like tailoring, cow/goat/pig rearing, snacks making & vending etc. We will cover Katkamsaandi and Chouparan blocks of Hazaribag district further and aims to work with 4000 carers in Koderma, Giridih, Nawada, Gaya districts of Jharkhand and Bihar, he said. NBJK team was comprised by Md. Nayeem (Asst. PM), Mrs. Vimla Rana, Mrs. Pratima Devi, Mr. Kamal Kant Pandey and Mr. Sujit Mishra (all field coordinators).

दिव्यांगों ने मनाया विश्व दिव्यांगता दिवस

03 दिसम्बर, हजारीबाग-कोडरमा-गया-गिरिडीह-नवादा : विश्व दिव्यांगता दिवस पर हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, गया और नवादा जिलों में एवीआइ-बीएलएफ, यूके के सहयोग से संचालित दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम अंतर्गत खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ था। जिला कार्यक्रम टीमों द्वारा इनमें विशिष्ट व्यक्तियों, मीडिया और स्थानीय दिव्यांगजन संगठनों को आमंत्रित किया गया था, ताकि इस दिन को विशेष तरीके से मनाया जा सके। इन आयोजनों में कुल 795 दिव्यांगजन शामिल हुए थे और उन्होंने सुई-धागा दौड़, बैसाखी दौड़, ट्राइसाइकिल दौड़, बकेट बॉल, म्यूजिकल चेरर, मटका फोड़ो, खुला क्विज जैसी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजताओं को पुरस्कार प्रदान किये गए। सभी स्थानों पर हुए इन खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन में दिव्यांगजन संगठनों का काफी सहयोग रहा और अनेक जनप्रतिनिधि, सरकारी पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता ने इनमें शामिल होकर अपना समर्थन दिया। बोधगया में डॉ. अभिषेक मृणाल



PwDs Celebrate World Disability Day

03 December, H.Bag-Koderma-Gaya-Giridih-Nawada: World Disability Day was celebrated by the people with disabilities at Hazaribag, Koderma, Giridih, Gaya and Nawada districts under Disability Rights program with support of AVI-BLF, UK. The program team for each district has organized sports event, invited dignitaries and made the day memorable for challenged people in need of acknowledgment. Total 795 PwDs could ensure their participation on the day and many of them have joined to a number of games like needle & thread race, crutch race, tricycle race, bucket ball, musical chair, matka breaking, open quiz etc. zestfully in presence of guests, audience and media persons. Local DPOs formed by disabled people contributed to the event and people's representatives, government officials; social workers have expressed solidarity by making their presence at the venues. At

(लायन्स क्लब) और श्रीमती मोंगिया देवी (जिप सदस्या), गिरिडीह में श्री महेन्द्र रविदास (कार्यपालक दंडाधिकारी), श्री राकेश मोदी (उपमहापौर), नवादा में जिला कल्याण पदाधिकारी, कोडरमा में नगर पंचायत अध्यक्ष और हजारीबाग में श्री प्रदीप प्रसाद (व्यवसायी- सह-समाजसेवी) ने विश्व दिव्यांगता दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में उपस्थित रहकर दिव्यांगों का उत्साह बढ़ाया।

सुरेखा प्रकाशभाई पब्लिक स्कूल में विज्ञान मेला

28 दिसम्बर, बहेरा: न.भा. जा. केन्द्र संचालित सुरेखा प्रकाशभाई पब्लिक स्कूल में बच्चों द्वारा विज्ञान मेला का आयोजन किया गया था। इसमें स्वच्छता, जल परिवहन, रिमोट संचालित कार, बायोगैस प्लांट, वर्षा जल संचयन आदि विभिन्न विषयों पर 45 से अधिक मॉडलों की प्रदर्शनी लगी थी। इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राओं ने पाक कला सम्बन्धी स्टॉल भी लगाए, जहाँ आंगतुकों हेतु स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध थे। कार्यक्रम का उद्घाटन बरही के अनुमंडलाधिकारी श्री शब्बीर अहमद ने किया था, जिन्होंने ऐसे प्रभावशाली आयोजन हेतु ग्रामीण बच्चों को सराहा। इस अवसर पर श्री सतीश गिरिजा (मंत्री, नभाजाकेन्द्र) ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बच्चों की कल्पना और जिज्ञासा को सजाने-संवारेने पर बल दिया। सुश्री रीना पांडेय (प्राचार्या) ने अतिथियों का स्वागत करते हुए एक बेहतर जीवन के लिए विज्ञान और घरेलू भोजन के सम्बन्धों पर प्रकाश डाला। श्री गन्धर्व गौरव (कार्यक्रम निदेशक) ने विद्यालय के बच्चों द्वारा हासिल अकादमिक उपलब्धियों की चर्चा किया। विज्ञान मेला में श्रीमती शीला, श्रीमती दामिनी, श्रीमती अभिलाषा, सुश्री नेहा, सुश्री फरहत जहाँ के साथ सर्वश्री बृजनन्दन सिंह, वीरेन्द्र सिन्हा, इन्द्रजीत शर्मा, संतोष चौरसिया, आनन्द मोहन, तनवीर अहमद, टिकू कुमार, विरिचि सिंह आदि शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थीगण शामिल थे।



Bodhgaya, Dr. Abhishek Mrinal (Lions Club), Mrs. Mongiya Devi (Member, District Council) have graced the function while at Giridih, Mr. Mahendra Ravidas (Executive Magistrate), Mr. Rakesh Modi (Dy. Mayor) have encouraged the participants. Likewise Nawada District Social Welfare Officer, President of Koderma Nagar Panchayat and Mr. Pradip Prasad (Social Worker) were present in the event at Nawada, Koderma and Hazaribag.

Science Exhibition at SPP School

28 December, Bahera: The students of NBJK managed Surekha Prakashbhai Public School have organized a Science Exhibition and shown their talent through more than 45 models upon themes of sanitation, water transport, remote controlled car, biogas plant, rain water harvesting etc. Also they have erected stalls on cookery where tasty dishes were available for visitors. The function was inaugurated by Mr. Shabbir Ahmad (SDO, Barhi) who praised the school and village students for such an impressive event. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has emphasized over quality education to cater children's imagination and quest by the school. Ms. Rina Pandey (Principal, SPPS) has welcomed all guests and justified the connotation of science with homely food for better living. Mr. Gandharv Gaurav (Program Director) has referred about academic achievements by the students. The program was graced by Mrs. Sheela, Mrs. Damini, Mr. Brijnandan Singh, Mr. Veerendra Sinha, Mr. Indrajit Sharma, Ms. Neha Kachhap, Mr. Santosh Chaurasiya, Mrs. Abhilasha Singh, Mr. Anand Mohan, Mr. Tanweer Ahmad, Ms. Farhat Jahaan, Mr. Tinku Kumar, Mr. Viranchi Singh including other teachers and parents.

केस स्टडी

एक कदम बेहतर की ओर

दीपक कुमार शर्मा (23 वर्ष) ग्राम-सरैया, प्रखण्ड-पदमा, जिला-हजारीबाग (झारखण्ड) के रहने वाले एक नवयुवक हैं। ये अपने किसान पिता श्री काशीनाथ शर्मा और गृहणी माता श्रीमती उर्मिला देवी की चार संतानों में सबसे छोटे हैं। दीपक ने गत अक्टूबर माह में नव भारत जागृति केन्द्र द्वारा संचालित 2 महीनों के आवासीय रोजगार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में दाखिला लिया था। इन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर का कोर्स चुना, जिसमें मोबाइल फोन-सीएफएल बल्ब मरम्मत और सर्किटिंग करना सिखलाया जाता है। नवम्बर तक इनके पास एंड्रॉइड/कीपैड मोबाइल में चार्जिंग सेक्शन बनाना, स्पीकर/माइक, रिंगर, एलसीडी फिटिंग, आइसी रिबॉल, वाल रिपेयर और सीएफएल बल्ब ठीक करने की अनेक तकनीकी जानकारी आ चुकी थी। प्रशिक्षण के दौरान इन्होंने विभिन्न जीवन कौशलों से भी परिचित कराया गया और इस अवधि में इन्होंने अच्छा माहौल बनाने में अपना योगदान दिया। प्रशिक्षण समाप्ति के बाद इन्होंने कोरा चौक, हजारीबाग स्थित माँ अम्बे मोबाइल रिपेयर शॉप में मैकेनिक का काम मिला है। दीपक को हर काम के मेहनताने का आधा मिलता है और दिसम्बर माह में इन्होंने लगभग 4500 रु. आय का अनुमान लगाया है। "बचपन से ही बिजली के काम में मेरा मन लगता था, बाद में मोबाइल आ गया और एनबीजेके में कुछ सीखने को मौका मिला तो अब कमा भी रहे हैं...." दीपक कहते हैं।



CASE STUDY

A Quest for Better

Deepak Kumar Sharma (23 years) is a youth from village-Saraiya, block-Padma, district-Hazaribag (Jharkhand). He is the youngest son among four siblings in the farmer family of Mr.

Kashinath Sharma and Mrs. Urmila Devi. Deepak has joined NBJK run Residential Rozgar Training in October '16 to learn Mobile-CFL repairing & servicing skill. Till November '16, he has learnt to make charging sections, speaker/mike, ringer, LCD fitting, IC reboll, wall repair with many more regarding android/ keypad cell phones and about reuse of CFL bulb. Also he went through life skill sessions during this two months course and contributed to make an interactive environment with his fellow trainees. After training, he was offered the job of a mechanic by Maa Ambe Mobile Repair Shop at Korra Chowk, Hazaribag. Deepak works on contract basis and charges half income from every business he attends. He assumes to earn about Rs. 4,500 in December and feels happy by easy going to his home about 20 km far from his work place. "I was interested in electric works right from my childhood, so with the mobiles later and got the chance to learn something really at NBJK, which made me self-reliant..." Deepak says.

परिकल्पना : श्री गिरिजा सतीश

प्रस्तुति : विनय भट्ट

नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय

ग्राम - अमृतनगर, पो. कोरा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित।

दूरभाष: +91 8809672146, +91 9835751159

ई मेल: nbjko@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com